पाठ 14. स्वार्थी दानव

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को यह समझाना है कि हमें दूसरों से अलग-थलग नहीं रहना चाहिए बल्कि सबके साथ मिलजुलकर रहना चाहिए। अपनी चीज़ों को अपने मित्रों एवं भाई-बहनों के साथ मिल-बाँटकर उपयोग करना चाहिए। इससे आपसी-प्रेम तथा खुशी बढ़ती है। साथ ही, बच्चों को यह भी समझाना है कि हमें केवल अपने बारे में ही नहीं सोचना चाहिए बल्कि दूसरों की भावनाओं का भी ख्याल रखना चाहिए।

पाठ का सारांश

यह कहानी एक स्वार्थी दानव की है जो लोगों से मिलता-जुलता नहीं था। वह केवल अपने बारे में ही सोचता है। दानव के घर में एक बहुत बड़ा और सुंदर बाग था। उसके बाग में तरह-तरह के फूल खिले रहते थे। जो भी उस रास्ते से गुजरता बाग की सुंदरता देखकर बहुत आकर्षिक होता। एक बार दानव कहीं बाहर गया हुआ था। आस-पास के कई बच्चे रोज़ बाग में आकर खेलने लगे। जब दानव वापस आया तो बाग में बच्चों को खेलते-कूदते देख बहुत क्रोधित हुआ। उसने अपने बाग के चारों ओर ऊँची चारदीवारी बनवा दी और उसपर लिख दिया कि बाग के अंदर आना मना है। बच्चे उदास हो गए। मौसम बदला और वसंत ऋतु आ गई। पर दानव के बाग में वसंत न आया। एक दिन उसे चिड़िया के चहचहाने की आवाज़ सुनाई पड़ी। उसने बाहर निकलकर देखा तो पाया कि चारदीवारी के सूराख में से बच्चे बाग में घुस आए थे। बच्चों के बाग में आने से उसके बाग में भी वसंत आ गया था। दानव की नज़र एक कोने पर पड़ी। वहाँ एक छोटा बच्चा खड़ा था। उसके हाथ डालियों तक नहीं पहुँच पा रहे थे इसलिए उस पेड़ पर बहार नहीं आ पाई थी। दानव वहाँ गया और उसने बच्चे को अपनी गोद में उठा लिया। बच्चे द्वारा डालियों को छूते ही वह पेड़ भी खिल उठा। दानव बहुत खुश था वह समझ गया था कि खुशी स्वार्थ में नहीं परमार्थ में है। उसकी खुशी देख बच्चों का डर भी जाता रहा। दानव ने बाग की चारदीवारी तोड़ डाली। अब उसका बाग सभी के लिए खुला था।

अध्यापन संकेत

पाठ वाचन से पूर्व पाठ से संबंधित चर्चा करें। बच्चे से पूछें कि उन्हें पता है कि स्वार्थी का क्या अर्थ होता है। बच्चों को बताएँ कि यह कहानी विदेशी लेखक ऑस्कर वाइल्ड की कहानी 'सेलफिश जाइंट' का हिंदी रूपांतर है। पाठ का आदर्श वाचन करें। बीच-बीच में पाठ संबंधित कुछ प्रश्न पूछते हुए बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करें। पाठ में निहित जीवन मूल्यों को विकसित करें।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।